रक्षाबंधन की हार्दिक बधाईयाँ

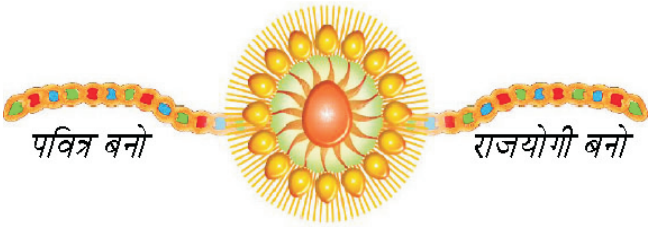

प्राणप्यारे अव्यक्त बापदादा की अति मीठी-लाडली सन्तात, पतिपावनी चैतन्य ज्ञानगंगा, दैवी संविधान विधायक, मर्यादा रक्षक,यज्ञरक्षक दैवी बहनों-भाईयों को रक्षाबंधन के पुनीत पर्व की तथा दैवी स्वराज्य के प्रथम राजकुमार श्रीकृष्ण के जन्मदिन की अर्थात् कृष्णजन्माष्टमी की कोटि-कोटि हार्दिक ईश्वरीय बधाईयाँ।

'रक्षाबंधन' का पावन त्योहार, पवित्रता का परमात्म-उपहार।
विषतोडक यह पर्व यादगार, करे आत्मा का सच्चा श्रृंगार।
जुडाये प्रभु से मन की तार, बरसाये ज्ञान के बिन्दु लगातार।
सिखाये सदाचार-सद्व्यवहार, कराये सद्विचारों का आहार।
लाये जीवन में दिव्यगुणों की सदाबहार और अष्टशक्ति-संचार।
करे विकारों का समूल संहार, पहनाये गले में विजयश्री का हार।
दिलाये परमात्मा-प्यार व अधिकार, बन जाये वो दिव्य-अलंकार।
खोल दे सतयुग-स्वर्ग के द्वार, वरदाता के यह वरदानी उद्गार।

'रक्षाबंधन' के इस पावन पर्व की यह महिमा है अपरम्पार।
बंध जाये इस पवित्र-बंधन में जो, बेडा हो जाये उसका पार।

संगमयुग की यादगार - 'राखी' का यह उत्सव आप का जीवन दिव्यगुणों से सुगंधित करें, सर्व विशेषताओं से चमकायें, १६ कलाओं से श्रृंगारित करें, सर्व शक्तियों से उर्जित करें, परमात्म-वरदानों की वर्षा अनुभव करें, प्रभुपालना से पल्लवित करें, अतीन्द्रि सुख के झुले में झुलें, ज्ञान-रत्नों से मालामाल करें व सुंगमयुग के हर पल मौजों का अनुभव करें - इन्ही मंगल कामनाओं के साथ ईश्वरीय स्नेह भरी राखी भेज रहे है इसका सहर्ष स्वीकार करना जी।

अच्छा, सभी को सुमधुर याद।

ईश्वरीय सेवा में
आपकी दैवी बहन

बी. के. सुनंदा
मीरा सोसायटी, पुणे.